पउमचरियं भाग-१ (फोल्डर नं. ००१२७२)

मुख्य टाईटल
प्रकाशकीय
Preface
Introduction Part-1 Ramayana
Part-2 Paumachariya : A Study
पउमचरियं---१
सुत्तविहाणं-सूत्रविधान ---१
सेणियचिंताविहाणं-श्रेणिक-चिन्ता-विधान ---८
विज्जाहरलोगवण्णणं-विद्याधरलोकका वर्णन --- १८
लोगट्ठिइ-उसभ-माहणाहियारो-लोकस्थिति, ऋषभ एवं ब्राह्मण अधिकार--- ३०
रक्खसवंसाहियारो-राक्षसवंश--- ३७
रक्खस-वाणरपव्वज्जाविहाणाहियारो-राक्षस एवं वानरोंकी प्रव्रज्या--- ५७
दहमुहविज्जासाहणं-दशमुखकी विद्या-साधना--- ७३
दहमुहपुरिपवेसो-दशमुखका लंकाप्रवेश--- ८५
वालिणिव्वाणगमणाहियारो-वालीका निर्वाण---१०५
दहमुहसुग्गीवपत्थाण-सहस्सकिरणअणरण्णपव्वज्जाविहाणं-दशमुख और सुग्रीवका प्रस्थान तथा सहस्रकिरण एवं अनरण्य की प्रव्रज्या---११२
मरुयजण्णविद्धंसण-जणवयाणुरागाहियारो-मरुत्के यज्ञका विध्वंस तथा जनपदोंका रावणके प्रति अनुराग---११९
वेयड्ढगमण-इन्दबंधण-लंकापवेसणाहियारो-रावणका वैताढ्यगमन, इन्द्रबन्धन और लंकाप्रवेश----१२८
इन्दनिव्वाणगमणाहियारो-इन्द्रका निर्वाणगमन ---१३८
अणंतविरियधम्मकहणाहियारो-अनन्तवीर्यका धर्मोपदेश ---१४१
अंजणासुन्दरीवीवाहविहाणाहियारो-अंजनासुन्दरीका विवाह-विधान ---१५३
पवणंजय-अंजणासुंदरीभोगविहाणाहियारो-पवनंजय और अञ्जनासुंदरीका भोग-विधान ---१६०
अंजणाणिव्वासण-हणुयउप्पत्तिअहियारो-अञ्जनाका निर्वासन और हनुमान का जन्म ---१६६
पवणंजय-अंजणासुन्दरीसमागमविहाणं-पवनंजय तथा अंजनासुन्दरीका समागम---१७५
वरुणपराजय-रावणरज्जविहाणं-वरुणका पराजय एवं रावणका राज्य---१७९
तित्थयर-चक्कवट्टि-वलदेवाइभवाइट्ठाणकित्तणं-तीर्थंकर आदिके भवोंका अनुकीर्तन ---१८२
सुव्वय-वज्जबाहु-कित्तिधरमाहप्पवण्णणं-सुव्रत, वज्रबाहु एवं कीर्तिधरका माहात्म्य वर्णन---१९७
सुकोसलमुणिमाहप्प-दसरहउप्पत्तिवण्णणं-सुकोसलका माहात्म्य तथा दशरथका जन्म ---२०३
बिहीसणवयणविहाणं-बिभीषणका कथन---२११
केगइपरिणयण-वरसंपायणवण्णणं-कैकयीका विवाह और उसके द्वारा वर-सम्पादन---२१३
चउभाइविहाणं-चारभाई---२१५
सीया-भामण्डलुप्पत्तिविहाणं-सीता एवं भामण्डलका जन्म ---२१७

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

रामकयमेच्छपराजयस्स कित्तणं-रामद्वारा म्लेच्छोंकी पराजय ---------- २२४
राम-लक्खण-धणुरयणलाभविहाणं-राम एवं लक्ष्मणको धनुष-रत्नकी प्राप्ति ---------- २२७
दसरहवइराग-सव्वभूयसरणमुणिआगमणं-दशरथका वैराग्य तथा मुनि सर्वभूतशरणका आगमन -- २३७
भामण्डलसंगविहाणं-भामण्डलका पुनर्मिलन---------- २४०
दसरहपव्वज्जनिच्छयविहाणं-दशरथका प्रव्रज्याके लिए निश्चय---------- २४७
दसरहपव्वज्जा-रामनिग्गमण-भरहरज्जविहाणं-दशरथकी प्रव्रज्या, रामका निर्गमन तथा भरतका राज्य ---------- २५५
वज्जयण्णउवक्खाणं-वज्रकर्ण उपाख्यान---------- २६१
सीहोदर-रुद्दभूइ-वालिखिल्लोवक्खाणाणि-सिंहोदर-रुद्रभूति-वालिखिल्य उपाख्यान---------- २७१
कविकोवक्खाणं-कपिल उपाख्यान---------- २७५
वणमालापव्व-वनमाला---------- २८१
अइवीरियनिक्खमणपव्वं-अतिवीर्यका निष्क्रमण---------- २८४
जियपउमावक्खाणं-जितपद्मा आख्यान---------- २८९
देसभूसण-कुलभूसणवक्खाणं-देशभूषण एवं कुलभूषणका आख्यान ---------- २९२
रामगिरिउवक्खाणं-रामगिरि-उपाख्यान ---------- ३०१
जडागीपक्खिउवक्खाणं-जटायु उपाख्यान---------- ३०२
दण्डगारण्णनिवासविहाणं-दण्डकारण्यमें निवास---------- ३०७
संबुक्कवहणपव्वं-शम्बूकवध---------- ३१०
सीयाहरणे रामविप्पलावपव्वं-राम-विलाप---------- ३१३
सीयाविप्पओगदाहपव्वं-सीता-विप्रयोगका दाह---------- ३१७
मायापायारविउव्वणपव्वं-माया-प्राकारका निर्माण ---------- ३२०
सुग्गीवक्खाणपव्व-सुग्रीवका आख्यान---------- ३२७
कोडिसिलुद्धरणपव्वं-कोटिशिलाका उद्धरण ---------- ३३१
हणुयपत्थाणपव्वं-हनुमानका प्रस्थान---------- ३३९
महिन्ददुहियासमागमपव्वं-महेन्द्रकन्याका समागम ---------- ३४१
राघवगंधव्वकन्नालाभपव्वं-गन्धर्वकन्याओंका लाभ ---------- ३४३
हणुवकण्णालाभलङ्कविहाणपव्वं-हनुमान और लङ्कासुन्दरी ---------- ३४५
हणुवलङ्कानिग्गमणपव्वं-हनुमानका लंकागमन---------- ३४७
लंकापत्थाणपव्वं-लंकाकी ओर प्रस्थान---------- ३५७
बिभीसणसमागमपव्वं-विभीषणका समागम---------- ३६०
रावणबलनिग्गमणपव्वं-रावणकी सेनाका निर्गमन ---------- ३६४
हत्थ-पहत्थवहणपव्वं-हस्त एवं प्रहस्तका वध---------- ३६७
नल-नील-हत्थ-पहत्थपुव्वभवपव्वं-नल-नील तथा हस्त-प्रहस्तके पूर्वभवका वर्णन---------- ३७०
विज्जासन्निहाणपव्वं-विद्याकी प्राप्ति ---------- ३७१

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org